Pioneer Hindi Date;-06-08-18 Page No:-16

अनेक विकल्प देता है प्रकाशन

मोनिका कंधारी कहती हैं कि डिजीटल मार्केटिंग, ब्लाग्स, सोशल मीडिया, पॉडकॉस्ट, और आडियो बुक्स प्रकाशन उद्योग में नए उभरते अवसरों के उदाहरण हैं जो डिजीटल युग की देन हैं।

मोनिका मल्होत्रा कांधारी
मैनेजिंग डायरेक्ट, एमबीडी ग्रुप

प्रकाशन उद्योग, इंडस्ट्री के विभिन्न पहलुओं में अनेक करियर विकल्प प्रस्तावित करता है। किसी भी अन्य उद्योग की तरह, प्रकाशन उद्योग की नौकरी में खासी मात्रा में प्रतिस्पर्धा, कार्यअसंतोष शामिल होता है और इसमें ऐसे उत्कृष्ट उम्मीदवारों की आवश्यकता होती है जो कड़ी मेहनत से नहीं डरते हैं। पब्लिशिंग इंडस्ट्री में काम तीव्र गति का है और जो अधिक सहजता व सक्षमता के साथ, अक्सर संपादकों, लेखकों, पत्रकारों जैसे विभिन्न दावेदारों से अपेक्षाओं के प्रबंधन की योग्यता की मांग करता है। संपादक बनने के अलावा इंडस्ट्री में करने के लिए काफी कुछ होता है। इंडस्ट्री में विभिन्न भूमिकाएं होती हैं जो विभिन्न योग्यताओं की मांग करती हैं।

निजी रुचि एव क्षमताओं के साथ जुड़ना रोजगार संतुष्टि पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसलिए एक सफल करियर निर्मित करता है। उदाहरणार्थ, एक संपादक नयी उभरती प्रतिभाएं तलाशने, लिखित सामग्री को संपादित एवं परिवर्तित कर उसे अंतिम उत्पाद या अलमारी में रखने वाली किताब के रूप में तैयार करने का काम करता है। इसी प्रकार, चित्रकार आकृतियों के साथ डिजाइनिंग के लिए जिम्मेदार होते हैं और चित्रकारों की अंतिम उत्पाद को सूचनात्मक बनाने, साथ ही साथ पाठकों के लिए डिजाइनदार बनाने के लिए आवश्यकता होती थी।

वितरक एवं विपणनकर्ता का काम प्रकाशित कार्य के मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित करना और प्रकाशित सामग्री का प्रचार करना होता है ताकि बिक्री में अधिकतम आकर्षण हासिल किया जा सके।

हालांकि पब्लिशिंग पारंपरिक तौर पर प्रिंटेड किताबों व सामग्रियों से संबंधित रही है, मगर डिजीटल युग का आरंभ बताता है कि डिजीटल दायरे में काफी कुछ हो रहा है। ई-बुक्स से लेकर इंटरनेट पर स्व-प्रकाशन तक, प्रकाशन उद्योग पर एक निरंतर हमला जारी है। हालांकि इंडस्ट्री में संभावित पतन से संबंधित संदेह गलत साबित हुए हैं, मगर डिजीटल युग ने इंडस्ट्री के सामने विकास अवसरों के नए क्षेत्र प्रस्तुत किए हैं।

डिजीटल मार्केटिंग, ब्लाग्स, सोशल मीडिया, पॉडकॉस्ट व ऑडियो किताबें प्रकाशन उद्योग में नए उभरते अवसरों के उदाहरण हैं जो डिजीटल युग की देन हैं। डिजीटलीकरण तथा इंटरनेट की बढ़ते प्रचलने ने प्रकाशन इंडस्ट्री पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। इंडस्ट्री की समूची मूल्य श्रंखला, मसलन किताबें कैसे प्रकाशित होती हैं, वितरित होती हैं, बिकती हैं और क्रमशः पाठकों द्वारा ग्रहण की जाती है आदि विषयों में जबरदस्त बदलाव हुए हैं। स्व-प्रकाशन, मांग होने पर प्रिंटिंग तथा ई-बुक्स, आज इंडस्ट्री में आए मुख्य आधार हैं। इन सबसे एक सकारात्मक बदलाव यह है कि रचनात्मक कथ्यों को न्यूनतम लागत में उत्पादित करना बहुत आसान हो गया है और डिजीटल रूप में कथ्यों को वितरित करना सस्ता है और पाठकों की एक बड़ी जमात तक पहुंचता भी है। इस इंडस्ट्री में सफल करियर के लिए आलोचनात्मक बुद्धि की आवश्यकता होती है, यानी वो व्यक्ति जो विश्लेषक है और उसमें काम के प्रति लगन है। पब्लिशिंग इंडस्ट्री में प्रवेश करना अक्सर इंटर्नशिप या सहयोगी भूमिका के ज़रिए होता है, और अनुभव तथा कड़ी मेहनत के साथ व्यक्ति एक सफल करियर बनाने की अधिक चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं तक पहुंचने की अपेक्षा कर सकता है।

यह इंडस्ट्री ऐसी है जो अपने लंबे घंटों, सनकी सुर्खियों तथा विविधतापूर्ण कार्य गतिविधियों के लिए विख्यात है। इसमें सटीक मेल लिखना, प्रेस विज्ञप्तियां, मीडिया सूची को संकलित करना, मीडिया के सामने रखना, फालोअप्स, लेखकों के साथ समन्वय करने से लेकर विज्ञापन योजना बनाना, साक्षात्कार कराना और मीडिया प्रस्तुति करना शामिल है।

कार्य विवरण में मार्केटिंग कैंपेन चलाना, उसकी योजना बनाना, ब्लॉब लिखना और सोशल मीडिया चैनलों को प्रबंधित करना भी शामिल होता है। यह पेशा हर उस व्यक्ति के लिए संतोषजनक अनुभव के साथ चुनौतीपूर्ण होने का वादा करता है जो कड़ी मेहनत करने की अच्छा रखता है।